

सुवर्णमणिक पुं. (तत्.) एक वर्णसंकर जाति, जो सोने का व्यापार करती थी।

सुवर्णमाक्षिक पुं. (तत्.) एक प्रकार का खनिज।

सुवर्णमित्र पुं. (तत्.) सुहागा, सोने को जल्दी पिघलाने के लिए सुहागा की सहायता ली जाती है।

सुवर्णयूथिका स्त्री. (तत्.) सोनजूही का फूल या पौधा, पीली जूही।

सुवर्णरंभा स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का केला, (चंपा केला)।

सुवर्णरेखा स्त्री. (तत्.) एक नदी जो राँची के पर्वतों से निकलकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

सुवर्णरेता पुं. (तत्.) शिव।

सुवर्णरोमा वि. (तत्.) सुनहरे रोमों वाला।

सुवर्णलता स्त्री. (तत्.) एक लता जिसे ज्योतिष्मती लता कहते हैं।

सुवर्णवर्ण वि. (तत्.) सोने के रंग वाला (सुनहला)।

सुवर्णश्री स्त्री. (तत्.) असम की एक नदी।

सुवर्णसिद्ध पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो जादू से सोना बना सकता हो।

सुवर्णस्तेय पुं. (तत्.) सोने की चोरी।

सुवर्णस्तेयी वि. (तत्.) सोना चुराने वाला।

सुवर्णा वि. (तत्.) 1. अग्नि की जिह्वा (अग्नि की सात जिह्वाएँ होती हैं जिनमें से एक सुवर्णा होती है) 2. हल्दी 3. इक्ष्वाकु की पुत्री जो सुहोत्र की पत्नी थी।

सुवर्णाकर पुं. (तत्.) सोने की खान।

सुवर्णाक्ष पुं.वि. (तत्.) सोने जैसी आँखों वाला।

सुवर्णाभ वि. (तत्.) सोने जैसी (आभा) कांति वाला।

सुवर्णारि पुं. (तत्.) सोने का शत्रु।

सुवर्णाह्वा स्त्री. (तत्.) पीलीजूही, सोनजूही।

सुवर्णिका स्त्री. (तत्.) पीले रंग का जीवंती फूल।

सुवर्णी स्त्री. (तत्.) मूसाकानी नामक एक लता।

सुवर्तुल वि. (तत्.) पूर्ण रूप से गोल, चक्राकार।

सुवर्मा/सुवर्मा वि. (तत्.) सुंदर कवच पहना हुआ व्यक्ति।

सुवर्षा स्त्री. (तत्.) अच्छी वर्षा।

सुवल्लिका स्त्री. (तत्.) सोमराजी।

सुवल्ली स्त्री. (तत्.) सुंदर लता।

सुवसंत पुं. (तत्.) चैत्र मास की (वसंत ऋतु में) पूर्णिमा, (प्राचीन काल में चैत्र पूर्णिमा को मदनोत्सव मनाने की प्रथा थी)।

सुवसंतक पुं. (तत्.) चैत्रपूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला मदनोत्सव।

सुवस पुं. (तत्.) सुंदर वस्त्र।

सुवसित वि. (तत्.) सुंदर वस्त्र को धारण किया हुआ व्यक्ति।

सुवह वि. (तत्.) 1. सरलता से वहन करने योग्य।
2. धैर्य धारण करने वाला।

सुवा पुं. (तद्.) तोता, शुक।

सुवाई क्रि.वि. (तद्.) सुलाकर।

सुवाक्य पुं. (तत्.) सुंदर वाक्य वि. सुंदर वचन बोलने वाला, मधुर वक्ता।

सुवाच्य वि. (तत्.) सरलता से पढ़ने योग्य, सुपाठ्य।

सुवाच्यता स्त्री. (तत्.) सुवाच्य होने का गुण या भाव।

सुवाना स.क्रि. (तद्.) सुलाना।

सुवामा स्त्री. (तत्.) सुंदर स्त्री।

सुवार पुं. (तत्.) अच्छा वार (दिन)।

सुवारथ पुं. (तद्.) स्वार्थ।

सुवासा वि. (तत्.) सुंदर वस्त्र पहना हुआ (व्यक्ति)।